KGS IAS

BPSC

Bihar Special– भूगोल

Bihar Special – भूगोल

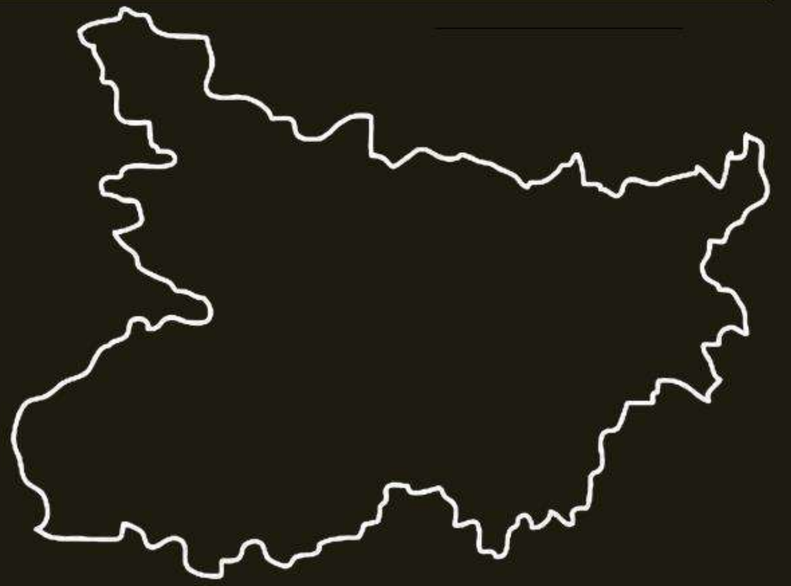

By: Jaswant Sir

Bihar Special – भूगोल

बिहार की जलवायु

① आक्षांशीय विस्तार / कर्क रेखा से दूरी

② हिमालय की अवस्थिति

③ बंगाल की खाड़ी

④ दक्षिण-पश्चिम का मौनसून

By: Jaswant Sir

Bihar Special – भूगोल

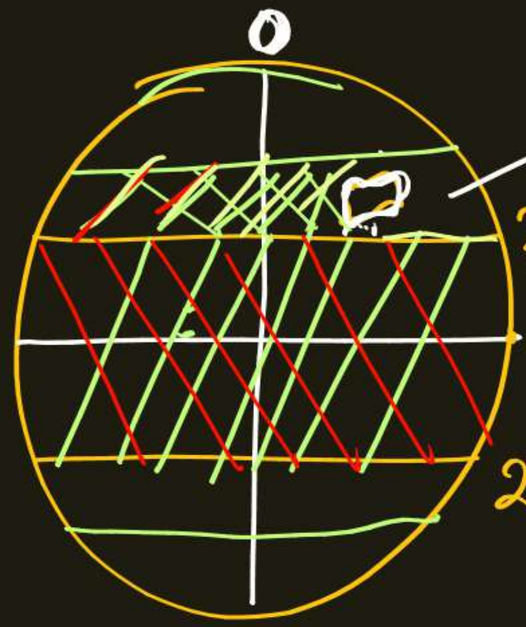

आक्षांशीय विस्तार

By: Jaswant Sir

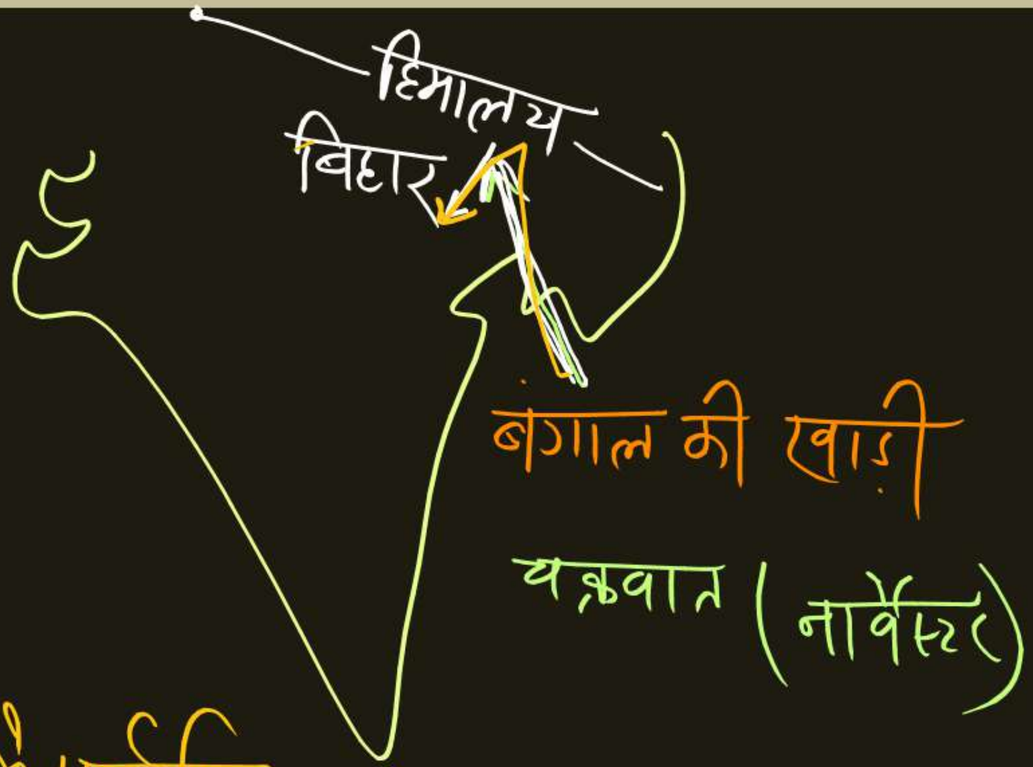

Bihar Special – भूगोल

⇒ बिहार में सर्वाधिक वर्षा

→ किशनगंज

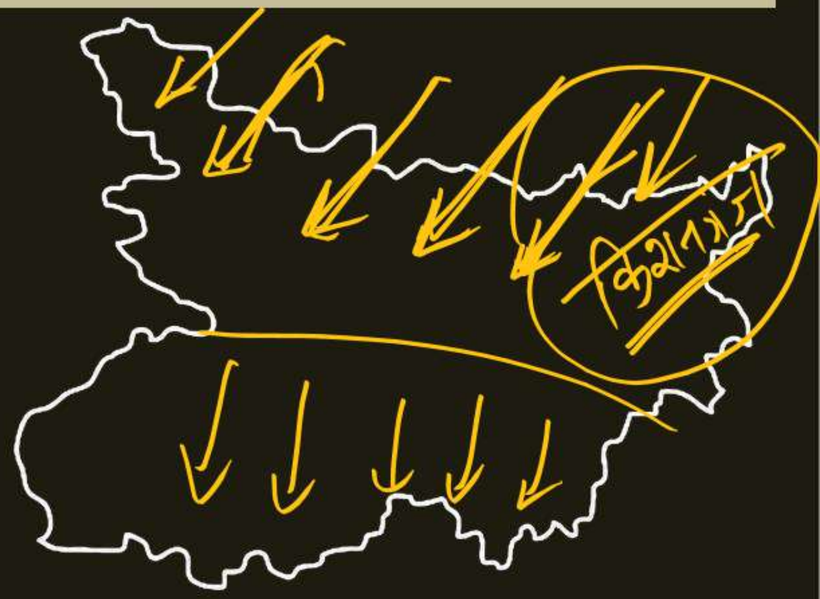

By: Jaswant Sir

Bihar Special – भूगोल

वर्षा ऋतु

जून मध्य
↓
अक्टूबर मध्य

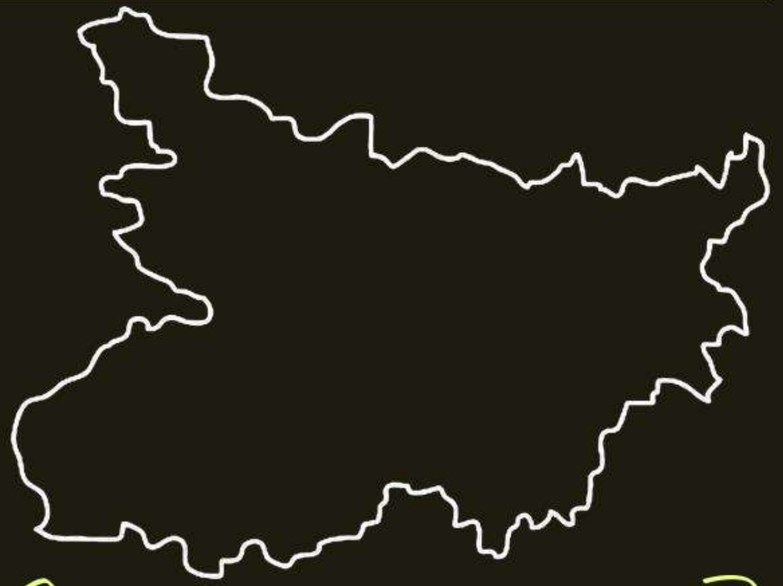

⇒ बिहार की 80% वर्षा दक्षिण-पश्चिम मानसून

By: Jaswant Sir

Bihar Special – भूगोल

⇒ कोपेन के अनुसार बिहार की जलवायु

उत्तर बिहार = Cwg

दक्षिण बिहार = Aw

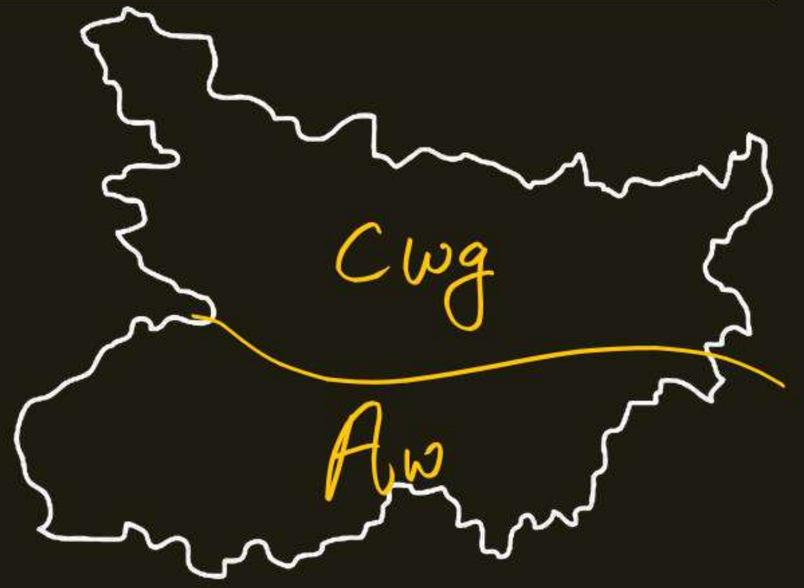

By: Jaswant Sir

Bihar Special – भूगोल

बिहार की ऋतुएं :- जलवायु के आधार

तीन ऋतुएं

ग्रीष्म ऋतु :- मार्च मध्य से जून मध्य

:- सूर्य का दक्षिणायन होना.

:- गर्मी में गरम हवा → मैदानी भाग – "लू"

:- "गया" बिहार का सर्वाधिक गर्म जिला

40°-45°C तापमान

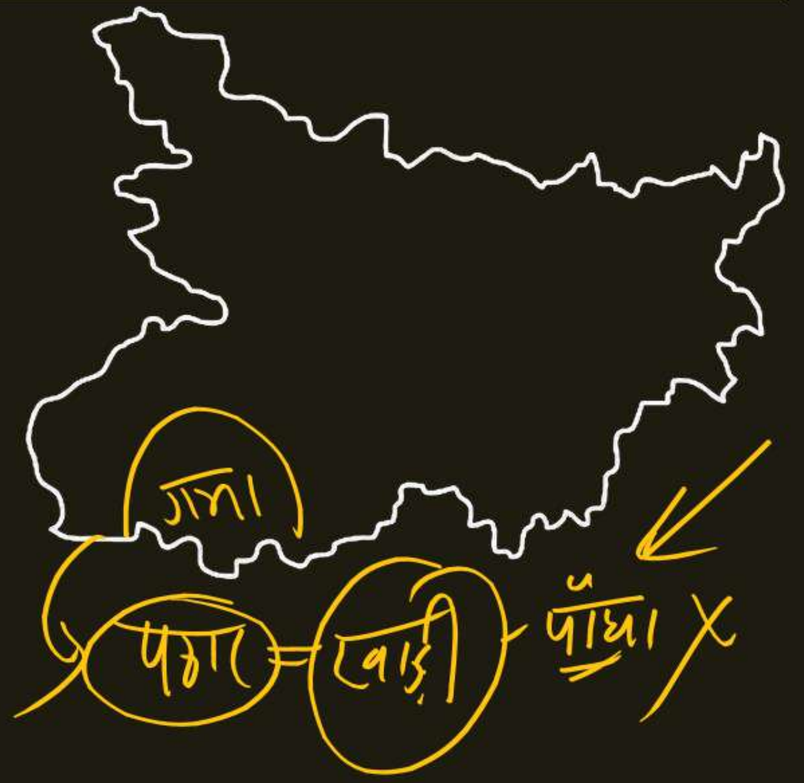

Bihar Special – भूगोल

वर्षा – ऋतु (जून मध्य से अक्टूबर मध्य)

⇒ 8-10 जून से बिहार में मॉनसून का प्रवेश।

जून मध्य

⇒ बिहार की 80% वर्षा दक्षिण-पश्चिम मॉनसून

⇒ बिहार में सर्वाधिक वर्षा – उत्तरी-पूर्वी

कम वर्षा – अरवल

सर्वाधिक वर्षा जिला – किशनगंज

By: Jaswant Sir

Bihar Special – भूगोल

शीत ऋतु :- अक्टूबर मध्य से मार्च मध्य

:- सूर्य का दक्षिणायन होना

:- ठण्डी हवाएँ := "शीतलहरी"

:- बिहार का सबसे ठंडा जिला - गया

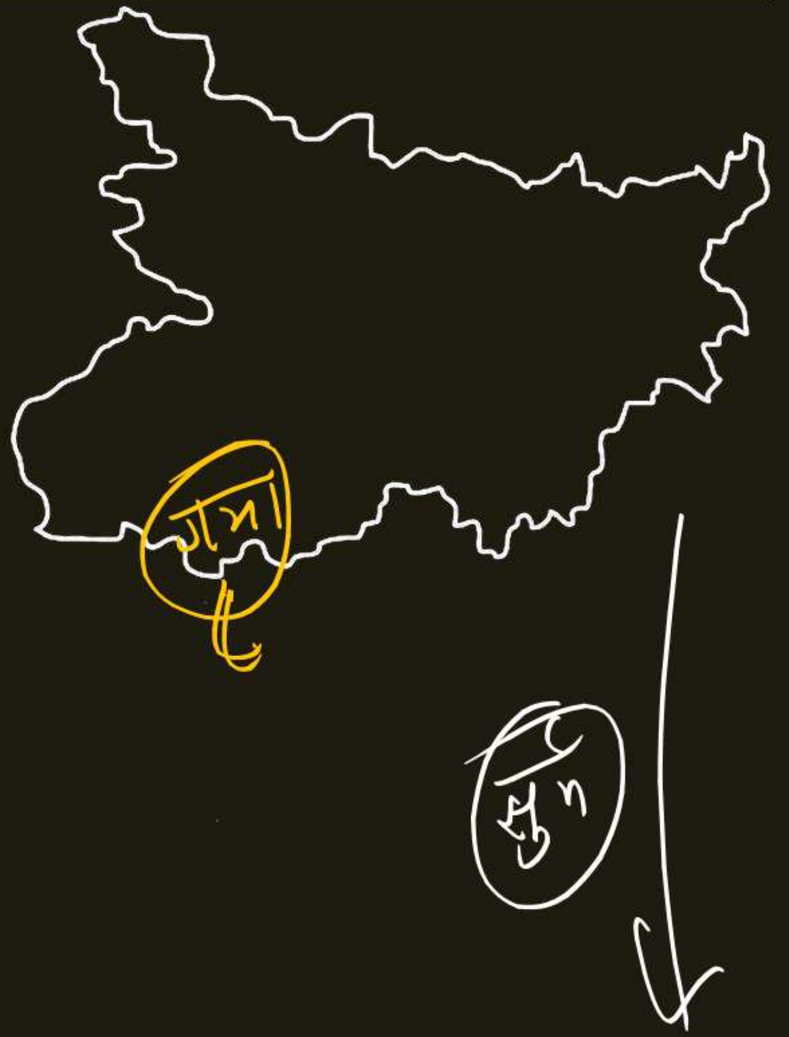

By: Jaswant Sir

Bihar Special – भूगोल

बिहार की मृदा

निर्माण :- जलवायु, चट्टान, तापमान, नदी -कटाव.

उत्तर बिहार की मृदियाँ :

तराई मृदा :- उत्तर बिहार के सीमावर्ती जिलों में
:- चम्पारण से लेकर किशनगंज तक
:- 8km चौड़ी मृदा की पट्टी

दलदली मृदा का तराई
रंग :- "भूरा" क्षारीय
→ धान की खेती (मिलेगा)

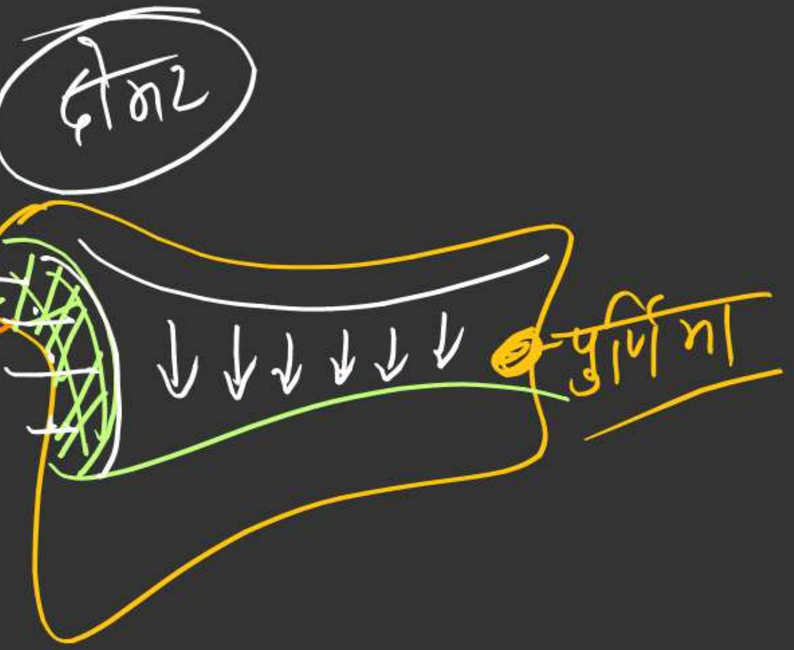

बालसुन्दरी मृदा

⇒ प० चम्पारण, गोपालगंज, सिवान, सारण

पुर्णिया, बेगूसराय, मुजफ्फरपुर

⇒ बालसुन्दरी मृदा - मक्के की खेती बेहतर

⇒ बिहार मे सर्वाधिक मक्का - बेगूसराय (मक्के का घर)

नवीन जलोढ़ मृदा :-

विस्तार :- उत्तर बिहार का मैदानी भाग

:- नदियों के द्वारा लाया नवीन मिट्टी (अवसाद) — "खादर"

"नवीन जलोढ़ मृदा"

:- उर्वरता :- सबसे अच्छी

बिहार का कुल कृषि योग्य मृदा का 90% मृदा जलोढ़

दक्षिण - बिहार की मृदा

पुरानी - जलोढ़ :-

: पुरानी मृदा – "बांगर"

: बिहार के दक्षिण के मैदान में विस्तार.

:- मैकाल - पुरानी

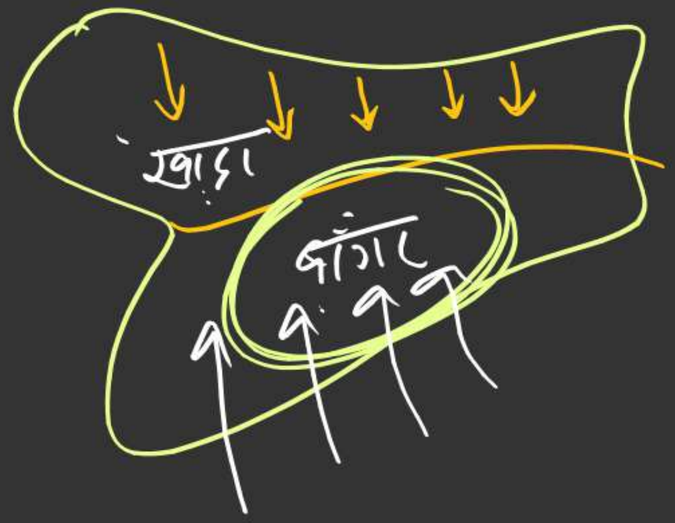

खादर (नवीन जलोढ़ मृदा)
+
बांगर (पुरानी जलोढ़)
= 90% मृदा)

बलथर मृदा

:- बिहार के दक्षिणी सीमावर्ती जिलो.

:- बालू + पथर (पठार से टूटा)

:- गया, नवादा, जमुई, बाँका, मुंगेर,

लाल-पीला :- कैमूर के पठारी

लाल- बलुई :- दक्षिण बिहार के पठारी भाग,

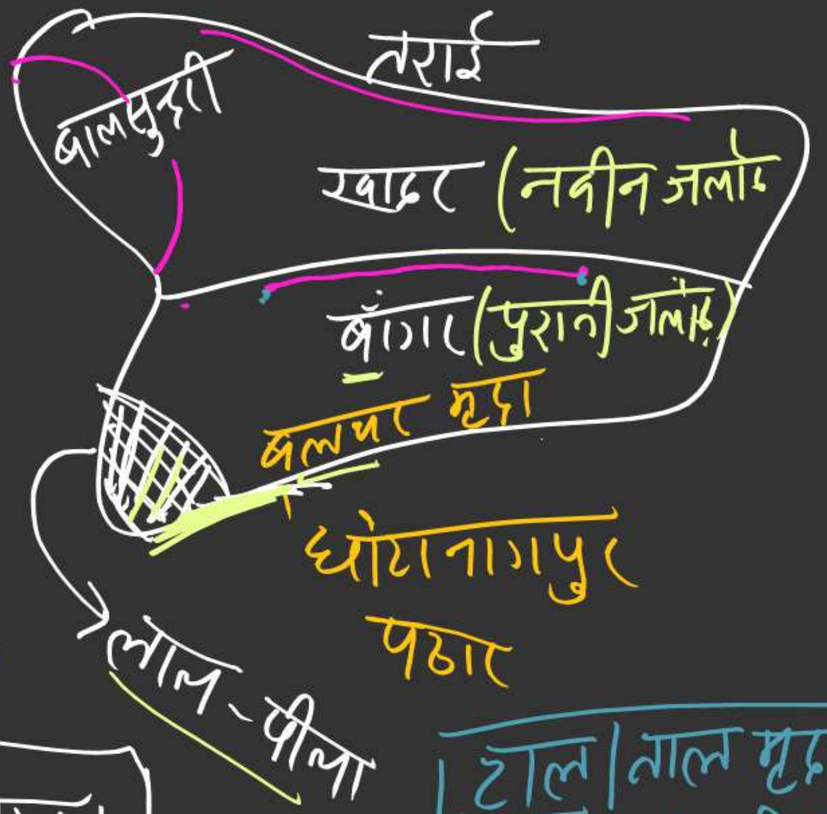

लौह अयस्क

टाल/ताल मृदा
→ गंगा के दक्षिण पटना से मुंगेर 8-10 Km चौड़ी

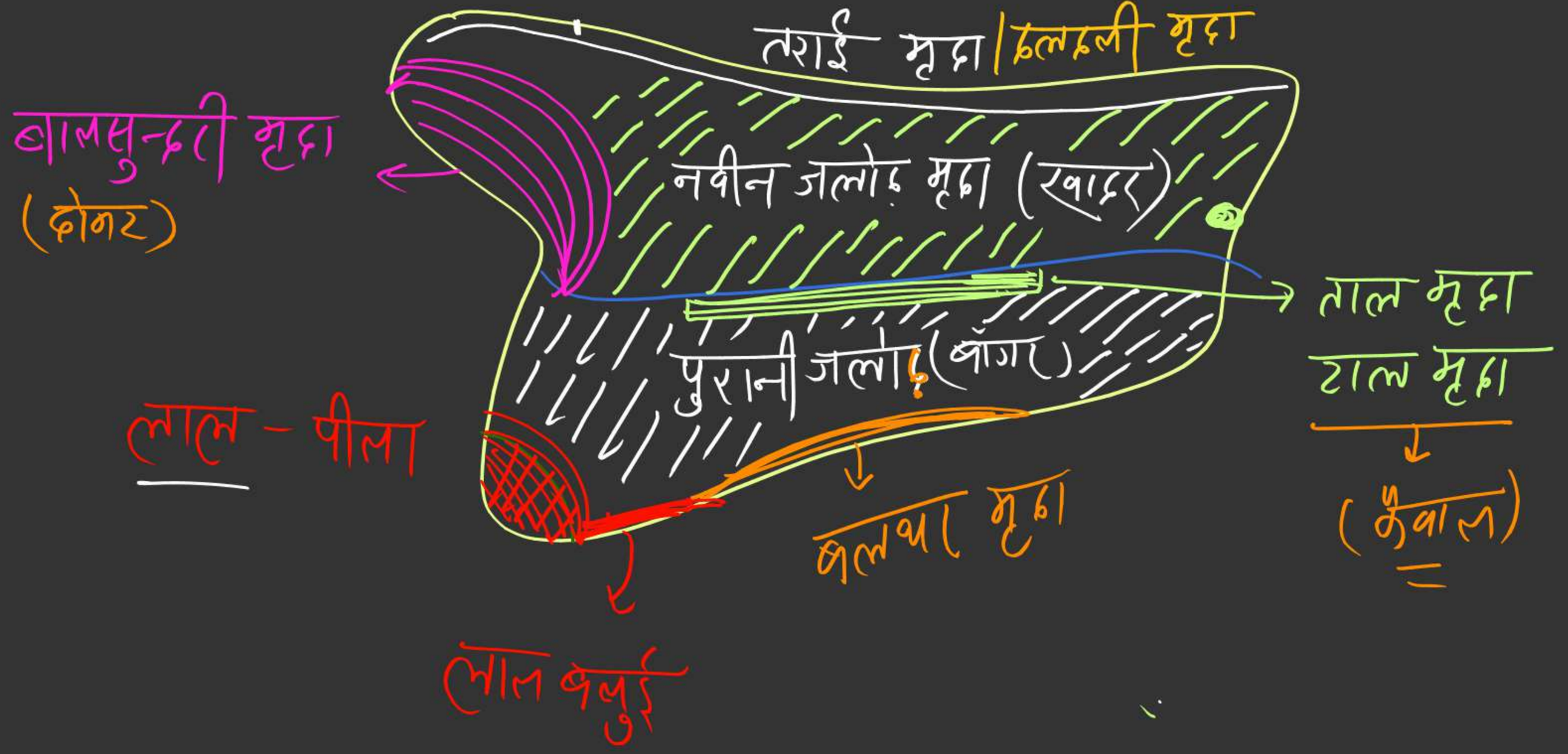

तराई मृदा / दलदली मृदा
बालसुन्दरी मृदा
(दोमट)
नवीन जलोढ़ मृदा (खादर)
पुरानी जलोढ़ (बाँगर)
ताल मृदा
टाल मृदा
(कैवाल)
लाल - पीला
बलथा मृदा
लाल बलुई

By: Jaswant Sir

Bihar Special – भूगोल

बिहार का अपवाह तंत्र

- बिहार का अपवाह प्रणाली मुख्यतः गंगा आधारित है।
- प्रवाह तंत्र और उद्गम के आधार पर बिहार की नदियां को दो वर्ग में बाँटा गया है।

(1) हिमालय प्रदेश की नदियां (उत्तरी बिहार की नदियां)

(2) पठारी या प्रायद्वीपीय प्रदेश की नदियां (दक्षिणी बिहार की नदियां)

- दोनों ही प्रकार की नदियां समान्यतः मुहाना गंगा नदी में ही बनाती है।

By: Jaswant Sir

Bihar Special – भूगोल

गंगा नदी

- भारत की सबसे लम्बी नदी गंगा का विस्तार 2500 किलोमीटर है। जिसमें बिहार में 445 किलोमीटर प्रवाहित होती है।
- गंगा नदी बिहार के मध्य भाग से गुजरती है यह बिहार के मैदानी भागों को इस प्रकार दो भागों में बहती है। गंगा का उत्तरी मैदान और गंगा का दक्षिणी मैदान।

Bihar Special – भूगोल

- गंगा का उद्गम स्थल उत्तराखण्ड के गंगोत्री हिमनद का गोमुख है। यह नदी उत्तर प्रदेश होते हुए बिहार में बक्सर के चौसा में यह नदी बिहार में प्रवेश करती है तथा कटिहार से बाहर चली जाती है।

By: Jaswant Sir

Bihar Special – भूगोल

उत्तर बिहार की नदियां

- **घाघरा:–** यह नदी नेपाल के मापचोचुंग हिमनद से निकलती है उत्तर प्रदेश होते हुए बिहार में छपरा के निकट गंगा में मिल जाती है। उत्तर प्रदेश में इस नदी को सरयू के नाम से जाना जाता है। उत्तर प्रदेश का अयोध्या शहर इसी नदी के किनारे बसा हुआ है।
- इसकी कुल लम्बाई 1080 किलोमीटर है जबकि बिहार में इसकी कुल लम्बाई 83 किलोमीटर है। बिहार में कुल जलग्रहण क्षेत्र 2995 वर्गकिलोमीटर है।

Bihar Special – भूगोल

- इस नदी का अन्य नाम दिविका/देविका एवं रामप्रिया है।
- **गंडक नदी:–** गंडक नदी नेपाल स्थित अन्नापूर्णा श्रेणी से निकलती है यह सप्तगंडकी, कालीगंडकी, नारायणी, सदानीरा आदि नामों से जानी जाती है।
- पश्चिमी चम्पारण के भैसालाटेन नामक स्थान पर बिहार में प्रवेश करती है और हाजीपुर (वैशाली) में गंगा में मिल जाती है।
- गंडक नदी को कुल लम्बाई 630 किलोमीटर तथा बिहार में 260 किलोमीटर है।

Bihar Special – भूगोल

- यह नदी पश्चिमी चम्पारण, पूर्वी चम्पारण, गोपालगंज, सिवान, सारण, वैशाली जिले में प्रवाहित होती है।
- इसमें बायों ओर से हरहा एवं दायों ओर से काकरा नदी मिलती है।
- **बुढ़ी गंडकः–** इस नदी का उद्गम सोमेश्वर श्रेणी (बिहार) के निकट है यह नदी पश्चिमी चम्पारण, पूर्वी चम्पारण, मुजफ्फरपुर समस्तीपुर और खगडिया से होते हुए जमालपुर (खगडिया) में गंगा में मिल जाती है।

By: Jaswant Sir

Bihar Special – भूगोल

- इसकी लम्बाई 320 किलोमीटर है सम्पूर्ण भाग बिहार में प्रवाहित होती है।
- बुढ़ी गंडके उपरी भाग को सिकरमा के नाम से भी जाना जाता है।
- यह काफी तीव्र नदी है, जो गंगा की एक महत्वपूर्ण सहायक नदी है।
- **बागमती नदी:–** यह नदी नेपाल में महाभारत पर्वत श्रेणी शिवपुरी से निकलती है तथा सिमामढ़ी से बिहार में प्रवेश करती है इसकी कुल लम्बाई 589 किलोमीटर तथा बिहार में लम्बाई 394 किलोमीटर है।
- यह नदी आगे चलकर बुढ़ी गंडक में मिल जाती है।

Bihar Special – भूगोल

- गंगा नदी अपनी बहाव के क्रम में पश्चिम से पुरब की ओर बिहार में क्रम से बक्सर, भोजपुर, सारण, पटना, वैशाली, समस्तीपुर, बेगुसराय, लखीसराय, खगडिया, मुंगेर, भागलपुर, कटिहार से बिहार से बाहर हो जाती है।
- **कमला नदी:–** इस नदी का उद्गम महाभारत श्रेणी से होता है। बिहार में यह नदी मधबनी (जयनगर) में प्रवेश करती है।
- इस नदी की दो शाखाएं हो जाती है एक शाखा पश्चिम के तरफ खगडिया में बागमती से मिलती है तथा पूर्वी भाग कोशी में मिलती है।

Bihar Special – भूगोल

- इस नदी में बलान नदी भी मिलती है इसलिए इसे कमला बलान भी कहा जाता है।
- **कोसी नदी:–** यह काठमाण्डू के गोसाईधाम से निकलती है, यह सूपौल से बिहार में प्रवेश करती है तथा सहरसा, मधपुरा, पूर्णिया होते हुए कटिहार में गंगा में मिल जाती है।
- इसका मुलनाम सप्तकोसी है क्योंकि यह हिमालय से निकलने वाली नदी है।

By: Jaswant Sir

Bihar Special – भूगोल

- इस नदी का मूल नाम ''सप्तकौशिकी'' है यह हिमालय से निकलने वाली 7 धाराओं – इंद्रावती, सुनकोसी, ताम्रकोसी, लिच्छुकोसी, दुधकोसी और तामुरकोसी से मिलकर बनी है।
- कोसी नदी का बार–बार मार्ग परिवर्तन करना हि उत्तरी बिहार में बाढ़ का मुख्य कारण बनता है इसी कारण से इस नदी को ''बिहार का शोक'' कहा जाता है।
- इसकी प्रमुख सहायक नदियां– बागमती, कमला, भूतही बलान आदि है।

Bihar Special – भूगोल

- **महानंदा नदी:–** यह बिहार के सबसे पूर्व में प्रवाहित होने वाली नदी है जो बिहार और पश्चिम बंगाल के मध्य गई स्थानों पर सीमा का निर्धारण भी करती है।
- यह नेपाल के महाभारत श्रेणी से निकलती है तथा किशनगंज, पूर्णिया और कटिहार जिलें में प्रवाहित होती है यह मनिहारी के निकट (कटिहार) में गंगा में मिल जाती है।

Bihar Special – भूगोल

- **उत्तर बिहार की नदियां समान्यतः** हिमालय पर्वत से निकलती है दक्षिण के नदियों के तुलना अधिक जल प्रवाह होता है।